शुद्ध लेखन पर हिंदी कार्यशाला

सीएसआईआर-केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी में 29 जनवरी 2015 को शुद्ध लेखन पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन विगत 22 जनवरी को हिंदी भाषी सहकर्मियों के लिए आयोजित हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिता के परिप्रेक्ष्य में किया गया जिसमें प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए संस्थान के प्रशासनिक व तकनीकी सहकर्मियों, परियोजना कर्मियों, जेआरएफ/एसआरएफ, प्रशिक्षणार्थियों आदि के अतिरिक्त अन्य सहकर्मी भी उपस्थित हुए। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को लिखते समय सामान्य रूप से होने वाली त्रुटियों को बताते हुए भाषा को सही व शुद्ध रूप से लिखने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को जानकारी देते हुए
श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी

संस्थान के सम्मेलन कक्ष में आयोजित कार्यशाला में हिंदी अधिकारी श्री रमेश बौरा ने राजभाषा हिंदी व सामान्य हिंदी में अंतर बताया। उन्होंने इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी है तथा लिपि देवनागरी है। उन्होंने कहा कि संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ही मान्य है।

उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को शुद्ध लेखन का महत्व बताते हुए कहा कि हिंदी हमारी अपनी भाषा है और इसे सही रूप में लिखना हमारा नैतिक ही नहीं राष्ट्रीय दायित्व भी है।

कार्यशाला के दौरान श्रुतलेख प्रतियोगिता के प्रश्न पत्र पर चर्चा करते हुए उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासा व शंकाओं का समाधान किया। इसके अतिरिक्त कार्यशाला में हिंदी भाषा के मानकीकरण के लिए भारत सरकार के केंद्रीय हिंदी निदेशालय व अन्य संस्थाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी

प्रतिभागी की शंका का समाधान करते हुए
श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी

अंत में उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्रतिभागी कार्यशाला से अवश्य लाभान्वित हुए होंगे तथा भविष्य में भाषा लेखन में होने वाली सामान्य त्रुटियों से बचेंगे। सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यशाला के अंत में श्री महेन्द्र सिंह, वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी ने इस आयोजन के लिए संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के मार्गदर्शन तथा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग करने के लिए सभी सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही प्रतिभागिता के लिए सभी सहकर्मियों को धन्यवाद दिया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए
श्री महेन्द्र सिंह, अनुभाग अधिकारी

इस प्रकार शुद्ध लेखन पर हिंदी कार्यशाला संपन्न हुई।